http://www.onlineBU.com

AF-2007

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Hindi Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 30

(क) मगर इस वक्त उसे कपड़ों की परवा न थी। उसने गर्दन और आगे व बॉयी ओर कपड़ों को लम्बा चीरा लगाता हुआ उस ओर निकल गया। सारे कपड़े तार-तार हो गये पीठ में भी कुछ खरोंचे लगे। पर इस समय कोई बन्दूक का निशाना बाँधकर भी उसके सामने खड़ा हो जाता, तो भी वह पीछे न हटता: फटे हुये कुरते को उसने वहीं फेंक दिया, गले की चादर फट जाने पर भी काम दे सकती थी। उसे उसने ओढ़ लिया, धोती समेट ली और बगीचे में घूमने लगा। सन्नाटा था शायद रखवाला खटिक खाना खाने गया था।

अथवा

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

आखिर एक दिन उसने इन सब चीजों को जमा किया- मखमली स्लीपर, रेशमी मोजे, तरह-तरह की बेलें, फीते, पिन, कंघियाँ, आइने कोई कहाँ तक गिनायें। अच्छा खासा एक ढेर हो गया। वह इस ढेर को गंगा में डुबा देगी और अब से एक नए जीवन का सूत्रपात करेगी। इन्हीं वस्तुओं के पीछे आज उसकी यह गति हो गयी है। आज वह इस मायाजाल को नष्ट कर डालेगी। उनमें कितनी ही चीजें तो ऐसी सुन्दर थी कि उन्हें फेंकते मोह आता था, मगर ग्लानि की उस प्रचंड ज्वाला को पानी के ये छींटे क्या बुझाते।

(ख) मुझे इस बंदी गृह से मुक्त करो। अब तो बाली, जावा और सुमात्रा का वाणिज्य केवल तुम्हारे ही अधिकार में है। महानाविक! परन्तु मुझे उन दिनों की स्मृति सुहावनी लगती है, जब तुम्हारे पास एक ही नाव थी और चंपा के उपकूल में पुष्प लादकर हम लोग सुखी जीवन बिताते थे। इस जल में अगणित बार हम लोगों की तरी आलोकमय प्रभात में, तरिकाओं की मधुर ज्योति में थिरकती थी।

अथवा

बहुत दिनों के बाद बाजारों में तुर्रेदार, पगडंडियाँ और लाल तुर्की टोपियाँ नजर आ रही थी। लाहौर से आये मुसलमानों में काफी संख्या ऐसे लोगों की थी जिन्हें विभाजन के समय मजबूर होकर अमृतसर से जाना पड़ा था। साढ़े सात साल में आये अनिवार्य परिवर्तनों को देखकर कहीं उनकी आँखों में हैरानी भरी जाती और

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

कहीं अफसोस घिर आता वल्लाह कटरा जयमल सिंह इतना चौड़ा कैसे हो गया? क्या इस तरफ के सब के सब मकान जल गये थे।

(ग) एक कामयाब पार्टी वह है, जिसमें ड्रिंक कामयाबी से चल जाए। शामनाथ की पार्टी सफलता के शिखर चूमने लगी। वार्तालाप उसी रौ में बह रहा था जिस रौ में गिलास भरे जा रहे थे। कहीं कोई रुकावट न थी। कोई अड़चन न थी। साहब को व्हिस्की पसंद आयी थी। मेम साहाव को पर्दे पसंद आये थे, सोफा कवर का डिजाइन पसंद आया था। कमरे की सजावट पसंद आयी थी। उससे बढ़कर क्या चाहिये। साहाब तो ड्रिंक के दूसरे दौर में ही चुटकले और कहानियाँ कहने लगे थे।

अथवा

पारस बाबू ने चौंककर देखा, तख्त पर थाली और गिलास रखकर चंदा ऊपर भाग गयी है। थाली में पूरियाँ, सब्जी की कटोरियाँ, रायता, मीठा इत्यादि रखे हैं। आचार और नमक तो रख ही नहीं गई! "अरे चं......." सहसा पुकारते-पुकारते रूक गये। नया आदमी क्या सोचेगा? कहीं उसकी थाली में भी तो ऐसा ही उल्टा सीधा नहीं परोस दिया? इन बच्चों में तो किसी बात का सलीका नहीं......।

2. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गबन' का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

जालपा के चरित्र की विशेषतायें बताइए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

3. 'परदा' कहानी का सारांश लिखिए। 10

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी विभाजन के दर्द को दर्शाती है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(क) गबन का उद्देश्य

(ख) प्रेमचंद की भाषा

(ग) ठेस कहानी का उद्देश्य

(घ) 'मलबे का मालिक' का अर्थ लिखिए

(ङ) 'कफन' कहानी के पात्रों का परिचय दीजिए

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** का उत्तर दीजिए : 10

(क) गबन उपन्यास में गबन का आरोप किस पर लगता है?

(ख) रमानाथ कौन है?

(ग) दुलाईवाली किसकी रचना है?

(घ) 'शीतल पाटी' का सम्बंध किस कहानी से है?

(ङ) हिन्दी के दो उपन्यासकारों के नाम लिखिए।

(च) 'चीफ की दावत' के लेखक का क्या नाम है?

(छ) रतन किस उपन्यास की पात्र है?

(ज) चंपा किस कहानी की नायिका है?

(झ) मधुआ किसकी रचना है?

(ञ) 'रंगभूमि' के लेखक कौन हैं?

(ट) प्रेमचंद किस युग के उपन्यासकार हैं?

(ठ) सिरचन किस कहानी का पात्र है?

———

http://www.onlineBU.com